हेरिटेज सिटी का विकास अगस्त से

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: मथुरा जिले में हेरिटेज सिटी का विकास अगस्त तक शुरू होगा। विकासकर्ता चयन की प्रक्रिया जून तक पूरी हो जाएगी। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप बिड ईव्लूएशन कमेटी (पीपीपीबीईसी) से स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना की निविदा तैयार हुई है। यमुना प्राधिकरण की आगामी बोर्ड बैठक में इसकी स्वीकृति के लिए प्रस्ताव लाया जाएगा।

यमुना प्राधिकरण के फेस दो मास्टर प्लान में शामिल राया शहरी केंद्र के तहत हेरिटेज सिटी को विकसित करने की योजना है। इसके तहत एनएच 44 से बांके बिहारी मंदिर को जोड़ने को 14 किमी लंबा मार्ग बन रहा है। यह मार्ग यमुना एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा। यमुना एक्सप्रेसवे व बांके बिहारी मंदिर के बीच मार्ग के दोनों ओर 753 एकड़ में हेरिटेज सिटी विकसित करने की योजना है। इस पर 6304 करोड़ खर्च होंगे। यमुना प्राधिकरण ने राया कट के बाद हेरिटेज सिटी विकसित करने को सीबीआरई साउथ एशिया प्रा.लि. से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराई थी, पर क्षेत्र में अतिक्रमण से परियोजना का स्थान बदलना पड़ा। चयनित नया स्थान फेज दो मास्टर प्लान से बाहर होने से परियोजना की डीपीआर को स्वीकृति देने से पहले मास्टर प्लान संशोधित करना पड़ा। नवंबर में डीपीआर को स्वीकृति मिलने के बाद इसकी निविदा तैयार है। प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि आगामी बोर्ड बैठक में निविदा का प्रस्ताव स्वीकृति को रखा जाएगा। बोर्ड से स्वीकृति मिलने पर इस पर पीपीपीबीईसी की मंजूरी ली जाएगी। इसके बाद विकासकर्ता चयन को निविदा जारी होगी। निविदा प्रक्रिया संग परियोजना को जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू होगी। इससे परियोजना का काम जल्द शुरू हो सकेगा। हेरिटेज सिटी से मथुरा जिले में पर्यटन का नया केंद्र विकसित होने संग व्यापक रोजगार सृजन होगा। व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

हेरिटेज सिटी में यह होंगी सुविधाएं : थीम आधारिक हेरिटेज पार्क 350 एकड़ में, योग व वेलनेस सेंटर, प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र 103 एकड़, हरित क्षेत्र 97 एकड़, पर्यटक परिवहन सुविधाएं 46 एकड़, कंवेंशन सेंटर 42 एकड़, आयुर्वेद केंद्र 35 एकड़, होटल 26.60 एकड़, बजट होटल 19.60 एकड़, वृद्धाश्रम 10 एकड़, सर्विस अपार्टमेंट सात एकड़, हाट, दुकान छह एकड़,पर्यटक सुविधाएं 8.40 एकड़,1200 हे. में बेगमपुर में बनेगी पार्किंग।

753 एकड़ में हेरिटेज सिटी को विकसित करने की बनाई गई है योजना

14 किमी लंबा मार्ग बनाया जा रहा एनएच 44 से बांके बिहारी मंदिर को जोड़ने के लिए

यमुना प्राधिकरण कार्यालय •

इन गांवों की जमीन होगी अधिगृहीत

अरुआ खादर, भीम खादर, डांगोली खादर, पानी गांव खादर, पिपरोली खादर, जहांगीरपुर, बेगमापुर खादर, जहांगीरपुर खादर।